क्यों है, पैसा भी एक लिया जाता है, यह मैं जानना चाहता हूं ।

شری محمد امین: جب کرایہ ہے ایک ہے اور دونوں ٹرینیں اچھی ٹرینیں سمجھی جاتی ہیں تو یہ فرق کیوں ہے۔ پیسہ بھی ایک لیا جاتا ہے۔ یہ میں جاننا چاہتا ہوں۔

SHRI MALLIKARJUN : Sir, greater emphasis is laid on improving ....

श्री राम अवधेश सिंह : ईस्टर्न रेलवे में मान्यवर, खाने-पीने की अच्छी व्यवस्था नहीं है ... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : No interruptions, please. Interruptions need not go on record.

SHRI MALLIKARJUN : Sir, great emphasis is laid on improving the quality of the food served to the passengers. In fact, we are constantly monitoring this and I can assure the honourable Member that we will try to improve the quality to the best of our ability.

MR. CHAIRMAN : You will see that there is no difference. That is your promise, I think. Good. Question No. 123. Mr. Afzal.

एल० पी० जी० के जाली सिलेंडरों की सप्लाई

*123. **श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल** : क्या **पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि देश में एल० पी० जी० के जाली सिलेंडरों की सप्लाई का जाल बिछा हुआ है और एल० पी० जी० एजेंसियों की मिलीभगत से ऐसे सिलेंडर दुगनी कीमत पर उपभोक्ताओं को सप्लाई किये जा रहे हैं; और

(ख) यदि हां, तो सरकार इस संबंध में क्या कार्यवाही कर रही है ।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI S. KRISHNA KUMAR) : (a) and (b) While there is no information about a network supplying spurious cylinders, whenever any specific case of spurious cylinders comes to the notice of the Marketing Companies, prompt action is taken in the matter. In addition to issuing caution/warning letter, penal rate of Rs. 1,500 per spurious cylinder is charged against erring LPG Agencies/transporters. The detected spurious cylinders are destroyed.

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : चेयरमैन सर, मंत्री जी ने जो जवाब दिया है उससे तसल्ली नहीं हुई है इसलिए कि मुल्क भर में एक बहुत बड़ा रैकेट काम कर रहा है । मैं मंत्री जी से पहले तो यह जानना चाहता हू कि क्या हिंदुस्तान भर में गैस की जो एजेंसीज़ दी गई हैं उनके जरिए से आपको ऐसी कोई इत्तिला है कि पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हो कि इतने सिलेंडर खो गए हैं। मेरी इत्तिला के मुताबिक मुख्तलिफ एजेंसियां पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराती हैं कि गैस के सिलेंडर खो गए हैं 10, 20, 50, 100 और उसके बाद उन गैस सिलेंडर्स को कंज्यूमर्स को ब्लैक में बेच दिया जाता है 1500 से 2000 रुपए तक में और कंटीन्युअसली उनको डबल रेट

*[ ] Translation in Arabic script.

पर गैस बेची जाती है हर महीने या 15 दिन के बाद और खास तौर पर होटलों के अंदर यह रैकेट काम कर रहा है और प्राइवेटली भी बहुत जबरदस्त तरीके से यह रैकेट काम कर रहा है। क्या मंत्री जी को इसकी कोई जानकारी है ? कितने लोगों ने अब तक गैस सिलेंडर्स खोने की रिपोर्ट दर्ज कराई है एजेंसियों की तरफ से और प्राइवेटली कितने गैस सिलेंडर्स आपके मिसिंग हैं, यह जानकारी एक तो पहले दें।

दूसरा यह बताएं कि क्या मंत्री जी को यह इल्म है कि सरकार ने 10-15 साल पहले इसी किस्म के करप्शन को रोकने के लिए एक आम ऐलान किया था कि जिन लोगों के पास गैस सिलेंडर्स हैं और वह रजिस्टर्ड नहीं हैं, वह अपना सिक्योरिटी का पैसा जमा करा दें, उसको हम रेगुलर कर देंगे। उस तरीके से करोड़ों रुपया सिक्योरिटी के नाम पर सरकार को मिला और जो इल्लीगल तरीके से गैस बेची जा रही थी, वह तरीका बंद हुआ। अब मेरा इल्म है कि लाखों गैस सिलेंडर्स इस तरीके से बेचे जा रहे हैं दिल्ली के अंदर और मेरे ख्याल में कई लाख सिलेंडर्स इस तरह से इस्तेमाल हो रहे हैं होटलों के अंदर और दीगर जगहों पर। इसको रोकने के लिए क्या सरकार वैसा ही ऐलान करेगी जो 10–15 साल पहले किया था ?

شری محمد افضل : چیئرمین سر، منتری جی نے جو جواب دیا ہے۔ اس سے تسلی نہیں ہوئی ہے۔ اس لئے کہ ملک بھر میں ایک بہت بڑا ریکیٹ کام کر رہا ہے۔ میں منتری جی سے پہلے تو یہ جاننا چاہتا ہوں کہ کیا ہندوستان بھر میں گیس کی جو ایجنسیز دی گئی ہیں۔ ان کے ذریعے سے آپ کو ایسی کوئی اطلاع ہے کہ لوگیں

رپورٹ درج کراتی ہیں کہ گیس کے سلنڈر کھو گئے ہیں۔ دس بیس پچاس سو اور اس کے بعد ان گیس سلنڈرز کو کنزیومر کو بلیک میں بیچ دیا جاتا ہے پندرہ سو سے دو ہزار روپے تک میں اور پھر کنٹی نیوسلی ان کو ڈبل ریٹ میں گیس بیچی جاتی ہے۔ ہر مہینے یا پندرہ دن کے بعد اور خاص طور پر ہوٹلوں کے اندر یہ ریکیٹ کام کر رہا ہے۔ اور پرائیویٹلی بھی بہت زبردست طریقے سے یہ ریکیٹ کام کر رہا ہے۔ کیا منتری جی کو اس کی کوئی جانکاری ہے۔ کتنے لوگوں نے اب تک گیس سلنڈر کھونے کی رپورٹ درج کرائی ہے۔ ایجنسیوں کی طرف سے اور پرائیویٹلی کتنے گیس سلنڈر آپ کے سگ ہیں۔ یہ جانکاری ایک تو پہلے دیں۔

دوسرا یہ بتائیں کہ کیا منتری جی کو یہ علم ہے کہ سرکار نے دس پندرہ سال پہلے اس قسم کے کرپشن کو روکنے کیلئے ایک عام اعلان کیا تھا کہ جن لوگوں کے پاس گیس سلینڈر ہیں اور وہ رجسٹرڈ نہیں ہیں وہ اپنا سیکیورٹی کا پیسہ جمع کرا دیں اس کو ہم ریگولر کر دیں گے۔ اس طریقے سے کروڑوں روپیہ سرکار کو سیکیورٹی کے نام پر ملا۔ اور جو ان لیگل طریقے سے گیس بیچی

[ ] Translation in Arabic script.

جارہی تھی وہ طریقہ بند ہوا۔ اب میرا علم ہے کہ لاکھوں گیس سلنڈر اس طریقے سے بیچے جارہے ہیں۔ دل کے اندر میرے خیال میں کئی لاکھ سلنڈر اس طرح استعمال ہو رہے ہیں۔ ہوٹلوں کے اندر اور دیگر جگہوں پر۔ اس کو روکنے کے لئے کیا سرکار ویسا ہی اعلان کرے گی جو ۱۰-۱۵ سال پہلے کیا تھا۔

SHRI S. KRISHNA KUMAR : Sir, the Government is aware of the malpractices in the LPG distribution just as the ones reported by the honourable Member. We are taking continuous action for the detection of spurious cylinders as well as for taking to task the distributors and transporters whenever spurious cylinders are detected. I have got here the figures relating to the action taken including cautioning, warning, show-cause notice, punitive actions, etc. If the honourable Member is interested, I can read them out. But I am skipping it to save the time of the House. Altogether, 1,124 spurious cylinders have been detected from October, 1991 to March, 1992. A penal rate of Rs. 1,500 per spurious cylinder has been recovered from the LPG marketing company and the LPG distributor. Similarly, 439 spurious cylinders have been detected from the transporters and action has been taken. This is a continuous process.

†[ ] *Translation in Arabic script.*

As regards the second part of the question, that part seems to be against the spirit of the first part of the question. If you are going to regularise the spurious cylinders in the market, that will only give encouragement to people to indulge in this nefarious practice. If there is any suggestion earlier in the Ministry, we will have to look into it. And it will be the endeavour of the Government to see that this malpractice is eliminated.

श्री मोहम्मद अजजल उर्फ मीम अफ़जल : चेयरमैन साहब, मंत्री जी ने जो जवाब दिया है वह बहुत वेग है। मैंने यह दर्खास्त की थी कि यह बतायें कि टोटल सिलेंडर कितने मिसिंग हैं ? दो तरह के रैकेट्स चल रहे हैं। एक तो वह हैं जो सरकारी सिलेण्डर होते हैं उनके खोने का बहाना बना कर पुलिस में रिपोर्ट लिखा दी जाती है और उनको बाजार में बेच दिया जाता है। दूसरा रैकेट वह है जो प्राइवेटली सिलेण्डर बनाते हैं।

شری محمد افضل عرف م افضل: چیئرمین صاحب منتری جی نے جو جواب دیا ہے وہ بہت ویگ ہے۔ میں نے یہ درخواست کی تھی کہ یہ بتائیں کہ ٹوٹل سلنڈر کتنے مسنگ ہیں؟ دو طرح کے ریکیٹس چل رہے ہیں۔ ایک تو وہ ہے جو سرکاری سلنڈر ہوتے ہیں۔ ان کے کھونے کا بہانہ بنا کر پولیس میں رپورٹ لکھا دی جاتی ہے اور ان کو بازار میں بیچ دیا جاتا ہے۔ دوسرا ریکیٹ وہ ہے جو پرائیویٹلی سلنڈر بناتے ہیں۔

श्री सभापति : यह पहले नहीं पूछा था अब पूछा है ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ शीश अफजल : जो आपने कहा कि एक्शन लिया है तो मुझे यह बताया जाए कि कितनी एजेंसियों के लाइसेंस कैंसिल किये गये अब तक ? आपने आम लोगों पर तो 1500 रुपये का जुर्माना लगा दिया । अगर खुद गैस एजेंसी इसके अंदर इन्वाल्व है तो कितनी गैस एजेंसियां ऐसी हैं और उनमें से कितने के लाइसेंस कैंसिल किये ? मेरा कहना है कि वही इसमें इन्वाल्व है जिनके जरिये सिलेंडर मिसिंग होते हैं । पहले तो मैं यह जानना चाहता हूं कि कितने गैस सिलेण्डर मिसिंग हैं ? अगर उनके बारे में पुलिस रिपोर्ट है तो उसका कुछ न कुछ रिकार्ड आपके पास होगा ?

†[ ] Translation in Arabic script.

SHRI S. KRISHNA KUMAR : Five distributors' licences were cancelled from April 1991 to January 1992. A total of five have been terminated. But I cannot say whether the termination is entirely due to detection of spurious cylinders. I will require notice for that. It is impractical to give you right away the total number of cylinders missing from 4000 distributors' agencies in the country. It is possible to collect the information and give it to the hon. Member.

SHRI B. L. PANWAR : Mr. Chairman, Sir, in this august House by way of a Special Mention a year ago I gave a number of instances in Madhya Pradesh, at Indore, that truck loads of spurious LPG cylinders are brought from Bombay to Madhya Pradesh. There has been no reply to that Special Mention. And now the Minister says that it is a continuous process and action is being taken. May I know whether the Government has detected any such factory wherein these spurious cylinders are manufactured and given. There have been a number of cases where by leakage of the LPG a number of fires have taken place, and I have given instances. I want to know whether they could locate such factories making these spurious cylinders and whether they will take action against them. As the hon. Minister has said, a number of licences have been cancelled.

SHRI S. KRISHNA KUMAR : Sir, as per record, there is no spurious cylinder manufacturing factory which has been detected by the oil companies as such. If

there is any information with the Police, we have to collect it. But I would like to assure the hon. Member that the Government will not be failing in its resolve to see that action against spurious cylinder manufacturers, distributors and transporters, who are indulging in this malpractice, will be taken and they will be punished.

कुमारी सईदा खातून : माननीय सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि जितनी गैस एजेंसीज निलम्बित की गई हैं उनको बहाल करने के लिए क्या कोई टाइम लिमिट भी रखी गई है ? उसके बदले में दूसरों को गैस एजेंसी दी जाती है, लेकिन दूसरे लोगों के पास गैस सिलिन्डर लेने का कोई प्रावधान नहीं है। केवल एम० पीज० के कोटे से गैस सिलिन्डर इस्यू कर सकते हैं ? बालाघाट का एक बड़ा प्रोबलम है। इस बारे में हम कई बार मंत्री जी से मिले। वहां पर एक मात्र यही गैस एजेन्सी थी और वह भी निलम्बित पड़ी हुई है। उसको बहाल करने के कई प्रकरण हम लोगों ने दिये। जनता रिजीम वाले एम० पी० ने इसको निलंबित करवाया था। तब से वह गैस एजेंसी निलंबित पड़ी हुई है। उस पर कोई खास ब्लेम नहीं था... (**व्यवधान**)।

श्री सभापति : वह तो अलग से स्पेशल केस है।

कुमारी सईदा खातून : मध्य प्रदेश में ऐसी कितनी ही गैस एजेंसीज निलम्बित पड़ी हुई हैं। उनके लिए कोई टाइम लिमिट रखी गई है या नहीं ? कितने टाइम के भीतर उन गैस एजेंसीज को बहाल किया जाएगा ?

SHRI S. KRISHNA KUMAR : Sir, when gas agencies and other distributorships are terminated on the basis of punitive action by the oil companies, the oil companies themselves have the power to make temporary arrangements till fresh distributorship is decided on at the appropriate level. So, this is done by the oil companies to ensure that the consumers in that area do not suffer. The allocation of new agencies and distributorships in the oil sector are done as per the marketing development plans submitted by the oil companies and approved by the Government. There is a due procedure through the Oil Selection Boards. The Oil Selection Boards are under constitution. Government are aware of the areas to be opened up, and a decision on this will be taken quickly.

डा० बापू कालदाते : बालाघाट के प्रोबलम का क्या हुआ ?

When she is strongly recommending that, she knows about the inconvenience of the people.

MISS SAROJ KHAPARDE : Sir, would be Minister enlighten the House as to what is the estimated indigenous production of LPG in the year 1992-93, what is the total number of connections up to date, what is the waiting list and by when the waiting list is going to be eliminated ?

SHRI S. KRISHNA KUMAR : Sir, the estimated production of liquified petroleum gas for 1992-93 is 2,228 thousand metric tons. The number of LPG connections existing in the country at the moment are 18 million approximately. The number in the waiting list is 8.5 million. As per an intensive drive for increased production of LPG from the refineries and fractionators as well as increased imports launched at the instance of my senior colleague, we are attempting to eliminate the existing backlog of connections on the waiting list by 1994 by increased production and allocation.

MR. CHAIRMAN : Question No. 124.

Eradication of Mosquito-Borne Diseases

*124. SHRI M. VINCENT : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether Government propose to introduce a crash programme for eradication of Mosquito-borne diseases like Malaria, Filaria and Encaphalitis ; and